27 March 2011

युवा सुनिश्चित करें भागीदारी

ग्रामीण विकास पर आधारित कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल

कहा, युवाओं को कृषि बागबानी व पशुपालन को देना होगा बढ़ावा

प्रतिनिधि

शिमला, 26 मार्च। यूथ फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट (सनातन विकास के लिए युवा) संस्था ने ग्रामीण विकास पर 'रूरल डिवेलपमेंट प्रेजेंट सीनेरियो एंड फ्यूचर चैलेचिंग' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धूमल ने कहा कि ग्रामीण विकास में युवाओं को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी, ताकि प्रदेश स्मृद्धि व विकास की राह में आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए युवाओं को कृषि, बागबानी व पशुपालन को बढ़ावा देना होगा, जिसके माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 70 फीसदी आबादी ग्रामीण विकास पर निर्भर करती है और ग्रामीण विकास के लिए मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम में रमन मेग्ससे पुरस्कार विजेता व वॉटरमेन ऑफ इंडिया के पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह मुख्य वक्ता ने देश सांस्कृतिक संरचना को बचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि हिमाचल प्राकृतिक संपदा व नदियों की रक्षा करें, तो वह समृद्धि व विकास की राह में अबसे अव्वल होगा। सेमिनार में मुख्य वक्ताओं में नौणी विवि के कुलपति आरके धीमान, पालमपुर विवि के कुलपति एसके शर्मा, शूलिणी विवि सोलन के कुलपति पीके खोसला, मानवभारती विवि के कुलपति एसपी भारद्वाज, पंजाब तकनीकी विवि के कुलपति शशि धीमान इत्यादि रहे। कार्यक्रम के स्वास्थ्य मंत्री बिंदल बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे।

'Waterman of India' drafts river policy for Himachal and gifts it to state government

SHIMLA: The draft policy on Himachal's rivers prepared by Magsaysay Award Winner for water management in Rajasthan, Rajender Singh, and presented to Chief Minister of Himachal Pradesh today is the first document for saving rivers of the state. Rajender Singh was in Shimla to address a two-day national seminar on present and future scenario of rural development, organised by the NGO Youth for Sustainable Development. The organisation is working in rural areas for promotion of eco-friendly technologies, said its president Anil Sood.

Talking on the sidelines of the seminar, Rajender Singh said, "In order to implement a policy on conservation of rivers any state will first have to look for answers within its culture and indigenous knowledge base. The conditions of rivers is better than the rest, but the main issue that I have tried to deal with in this draft policy document is the separation of sewerage disposal from rivers and prevention of soil erosion through watershed management in Sutlej River that has one of the biggest catchment areas."

ENS

27 March 2011 Sunday Express